नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिए, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि।
नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक
भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो, विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं, विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं, दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक १६२ वि.सं. २०८२ पुस २० गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४८) [Sunday 04 January 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

हिमशिखर बहु-उद्देश्यीय सहकारीके १७औं वार्षिक साधारण सभा

संस्थासे ५८ लाख ३६ हजार नाफा आर्जन

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १९ पुस । कैलाली जिल्लाके धनगढी उमहानगरपालिका वडा नम्बर ५ तारानगरमे रहल हिमशिखर बहु–उद्देश्यीय सहकारी संस्था लिमिटेडके १७औं वार्षिक साधारण सभा शनिच्चरके रोज धनगढीमे सम्पन्न हुइल बा ।

संस्थाके अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद भण्डारीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे उहाँ समाजमे अशिक्षा, गरीबी तथा अज्ञानताके न्यूनीकरण कैटी सदस्यके उच्च जीवनस्तर निर्माण कैनामे कुछ हदसम मद्दत करल बटैलै । उहाँ सदस्यहुकनके व्यावसायिक सोचके विकास करके आत्मनिर्भर समेत बनाइल ओ यैसिन सबल पक्षहे व्यवस्थित बनैटी अइना दिनमे संस्थाके उत्कृष्ट छवि निर्माण करके दिगो विकास कैना योजनाके साथ आघे बह्रटी रहल बटैलै ।

उहाँ कहलै, 'संस्था चार वर्षे रणनीतिक व्यावसायिक योजना निर्माण करके "दिगो एवं सर्वोत्कृष्ट सहकारीके परिकल्पनाके साथ आघे बह्रटी रहल बा । सदस्य सन्तुष्टिहे मुख्य उद्देश्य बनाइल संस्था सदस्यहुकनहे सहज ओ सुलभ दरमे वित्तीय तथा गैर वित्तीय सेवामे समर्पित बा ।

सहकारी ऐन २०४८ बमोजिम २०६५ साल पौष २३ गते सहकारी प्रशिक्षण तथा डिभिजन कार्यालय कैलालीसे बहुउदेश्यीय प्रकृतिके कार्य करे पैना करके ईजाजत प्राप्त करल यी संस्था अपने भवन धनगढी उपहानगरपालिका–५ तारानगरसे सेवा प्रदान करटी रहल बा । यी संस्थाके कार्यक्षेत्र स्थापना कालमे साविकके धनगढी नगरपालिकाके १४ वडामे रहलमे हाल धनगढी उपमहानगरपालिका, गोदावरी नगरपालिका, गौरीगंगा नगरपालिका ओ कैलारी गाँउपालिका रहल बा ।

संस्थाके वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करटी आर्थिक बर्ष २०८१/०८२ सालमे बचत संकलन ६१ करोड ९० लाख २५ हजार ५८३ रुप्या ८ पैसा, व्याज असुली ९ करोड ५५ लाख ४९ हजार १२० रुप्या ३२ पैसा, साँवा असुली ३३ करोड ३९ लाख ५० हजार ८९ रुप्या ५४ पैसा रहल अध्यक्ष भण्डारी बटैलै ।

साँवा बाँकी ६४ करोड ६४ लाख ० हजार ३८५ रुप्या ४६ पैसा, बाहय ऋण १६ करोड १९ लाख ९३ हजार ३० रुप्या १९ पैसा, कुल सम्पति ८ करोड ५० लाख ४९ हजार ८५१ रुप्या ८४ पैसा रहल जनागिल बा ।

ओस्टेक करके जम्मा आम्दानी १० करोड ५० लाख ७८ लाख २० रुप्या १ पैसा, कुल खर्च ९ करोड ९२ लाख, ४१ हजार ५८५ रुप्या, कुल नाफा ५८ लाख ३६ हजार ४३५ रुप्या ४७ पैसा रहल बा । *(बाँकी ३ पेजमे)*

प्रदेश सभामे नेकपा बनल बरवार दल

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १९ पुस । सुदूरपश्चिम प्रदेश सभामे नेपाली कांग्रेसहे उछिनके आब नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) बरवार दल बन्ना हुइल बा ।

नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केन्द्र), नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ओ नेकपा (एकीकृत समाजवादी) पार्टी एकता कैके नेकपा निर्माण करल ओरसे उ पार्टी प्रदेश सभामे बरवार दल बन्ना हुइल हो ।

प्रदेश सभामे माओवादीके १० (सभामुखबाहेक), नागरिक उन्मुक्ति पार्टीके सात ओ नेकपा (एकीकृत समाजवादी) पार्टीके चार प्रदेश सभा सदस्य रहल बटै । नेकपाके सदस्य संख्या २१ पुग्ना डेखजाइठ् ।

हाल प्रदेश सभामे सबसे बरवार दल रहल नेपाली कांग्रेसके १८ जाने प्रदेश सभा सदस्य रहल बटै । तीन दल मिलके नेकपा निर्माण करल बात बाहर अइलेसे फेन प्रदेश सभा सचिवालयहे भर आधिकारिक जानकारी नैआइल सचिवालयके सूचना अधिकारी युवराज जैसी बटैलै । "लावा दलके नाउँ ओ दलके नेताके आधिकारिक जानकारीसहितके पत्र आइलपाछे किल नेकपा बरवार दल कायम हुइ," उहाँ कहलै, "सचिवालयसे अब्बेसम साविकके तीन दल नै मन्ले बा ।"

सुदूरपश्चिम प्रदेश सभामे छ राजनीतिक दल ओ एक स्वतन्त्रके उपस्थिति रहल बा । स्वतन्त्र प्रदेश सभा सदस्य डा. ताराप्रसाद जोशी कुलमान नेतृत्वके उज्यालो नेपाल पार्टीमे प्रवेश करल रहिट । उ पार्टी राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टीसँग मिलके आघे बह्रना सहमति करसेकल ओरसे तत्कालीन निर्वाचनमे जित हासिल नैकैके रास्वपा सुदूरपश्चिम प्रदेश सभामे प्रवेश हुइना हुइल बा । जोशी आब अपने प्रदेश सभामे राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टीके प्रतिनिधित्व कैना बटैलै । उहाँ कहलै, "मने मै अब्बेसम प्रदेश सभा सचिवालयमे औपचारिक जानकारी भर नैकरैले हुइटु ।"

निर्माणके पर्खाइमे फाप्ला मैदान

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १९ पुस । दशकआघे देशके पहिल फ्रेन्चाइज धनगढी प्रिमियर लिग सञ्चालन हुइल धनगढीस्थित फाप्ला मैदान रंगशाला निर्माणके पर्खाइमे बा ।

फाप्लामे अन्तर्राष्ट्रियस्तरके क्रिकेट रंगशाला निर्माण करे पर्ना माग उठल दशकसम पूर्वाधार निर्माणके सुरुवातसम हुइल नैहो । खेलाडी हिक्मत महरा सरकारके प्राथमिकतामे नैपरके फाप्लामे रंगशाला निर्माण चर्चामे सीमित बनल बटैलै । 'सरकारी उपेक्षाके कारण रंगशाला निर्माणके आवाज उठल १०–१२ बरससम पूर्वाधार निर्माणके सुरुवात हुइ नैसेकल,' उहाँ कहलै, 'रंगशाला बनल रलेसे एनपिएलजैसिन प्रतियोगिता यहाँ फेन सञ्चालन करे सेकजैना अवस्था रहे ।'

फाप्ला गिनोरे तारबार लगाइल बा । मैदान भर गौचरन बनल बा । हरेक प्रतियोगिता करेबर फाप्ला मैदानमे पिच बनाइक लाग कम्तीमे ५–७ लाख रुपैयाँ खर्च करे पर्ना अवस्था रहल उहाँ बटैलै । फाप्लामे अन्तर्राष्ट्रिय क्रिकेट रंगशालासहित खेलग्राम निर्माणके डिपिआर गैल बरस कुँवारमे किल पूर्वाधार निर्माण विकास समितिसे स्वीकृत हुइल बा । धनगढी उपमहानगरपालिका–३, स्थित फाप्ला क्षेत्रके साढे ३८ बिघा सरकारी जमिन खेलग्रामके नाउँमे आसेकल बा । फाप्ला पूर्वाधार निर्माण विकास समितिके अध्यक्ष सुवास शाही कहलै फाप्ला खेलग्रामके डिपिआर (इआइए) स्वीकृत होसेकल ओरसे आब रंगशाला निर्माणके काम आघे बह्रना आशा रहल बटैलै । 'जग्गा प्राप्ति, डिपिआर निर्माणलगायत सक्कु प्रक्रिया पूरा होके पूर्वाधार निर्माण सुरु कैना 'बेस' तयार हुइल बा,' शाही कहलै, 'आब पूर्वाधार निर्माणके चरण सुरु हुइ ।'

फाप्लामे डिपिएल कैनाके साथे उ बेला 'ड्रिम' फाप्ला अभियान सुरु करल शाहीके ध्यक्षतामे सरकारसे जेठ ०७९ मे पूर्वाधार विकास समिति गठन करल रहे । समितिके अनुसार गठन हुइल सुरुके दुई बरस सरकारसे डिपिआर बनैना बजेट नैडेहल । *(बाँकी ३ पेजमे)*

राष्ट्रिय झण्डाको सम्मान गरौं।
राष्ट्रिय झण्डाको अपमान हुने देहायका कार्य गर्न पाइँदैनः
❖राष्ट्रिय झण्डा उल्टो (चन्द्रमा तल पर्ने गरी) राख्न।
❖राष्ट्रिय झण्डा च्यात्न, जलाउन, फ्याँक्न वा कुनै सामान पोको पार्न।
❖व्यापारिक प्रयोजनका लागि दुरुपयोग गर्न।
❖शरीरको कम्मरभन्दा तलको भागमा लगाउन।
❖शरीरको छातीभन्दा तलको भागमा लगाइने भित्री-बाहिरी कपडामा राष्ट्रिय झण्डाको प्रतीक-चिन्ह राख्न।
❖फहराउने प्रकृतिको कार्यमा बाहेक अन्यत्र राष्ट्रिय झण्डाको प्रयोग नगरौं।
राष्ट्रिय झण्डाको सम्मान गरी स्वतन्त्रता, पहिचान र स्वाभिमानको रक्षा गरौं।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

संरक्षण सम्वर्द्धन के लाग सक्कुजन करी काम !
संस्कृति भेष भूषा राखी हमार पहिचान !!
थारु होम-स्टे गाउँ भादा महोत्सव-२०८२
पौष १७ गतेदेखि पौष २१ गतेसम्म
आयोजक :- थारु होम-स्टे गाउँ भादा पर्यटन विकास तथा व्यवस्थापन समिति
धनगढी उप-महानगरपालिका-१६, भादा, कैलाली
स्थान: धनगढी उ.म.न.पा.-१६, भादा, श्री दिपेन्द्र चारपाते मा.वि.को खेल मैदान
महोत्सवका आकर्षणहरु
› प्रत्येक दिन राष्ट्रिय र स्थानिय कलाकारहरुको बेजोड प्रस्तुती
› प्रत्येक दिन स्थानिय नाचगानहरुको प्रस्तुती जस्तै : सखिया, झुम्रा, मघौटा, लट्ठी, बैठकी, मुंग्रहूवा, हुर्दङ्ग्वा, गुरुवा र आधुनिक थारु नाचगानहरु तथा सजना, मैना, धमार, बर्कीमार, लग्नी, कठमधैया, बिर्हनी गितहरु लगायत राना थारु, कठरिया थारुहरुको नाचगान प्रस्तुती
› विभिन्न हास्य व्यंग्य कलालकारहरुको प्रस्तुती
› विशिष्ट व्यक्तिहरुलाई सम्मान तथा स्थानिय कलाकारहरुलाई प्रोत्साहन गरिने
› थारु संग्राहलयको अवलोकन
› थारु खानपानका परिकारहरु जस्तै : ढिक्री, खेरिया, फुलौरी अण्डीक भाट, खुर्मा, पनफफरा, कचरीक बरिया, घोंघी, गैंगटा, सुटही, मुसाको परिकार सिध्रा माछा मौहुवक दारु, चौरक दारु, निंघार, छबुवा जाँर लगायत विभिन्न खाना र नास्ताका परिकारहरु
› विभिन्न खेलकुदहरु जस्तै : तिरबाट मुर्गा निसान, साईकल स्लो, भलादमी दौड, भलिबल आदि।
स्टल बुकिङ्ग धमाधम भैरहेको छ, समयमै आफ्नो स्टल बुकिङ्ग गरी मौकाको फाइदा उठाउनुहोस।
सम्पर्क व्यक्ति
अध्यक्ष
लक्ष्मीनारायण चौधरी
फोन नं. ९८११६६२३३१, ९७६२२९३३७६

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

प्रतिस्पर्धात्मक अर्थतन्त्र निर्माण

विचार

✍ डा. चन्द्रमणि अधिकारी

कृषि उद्योग ओ सेवा ओहे क्षेत्रमे हुइना अध्ययन, अनुसन्धान, उत्पादन, भण्डारण, प्रशोधन, सञ्चय, ओसारपसार, वितरण ओ उपभेगसँग जोरल आर्थिक क्रियाकलापके योगसे समष्टिगत अर्ततन्त्रके संरचना निर्माण हुइठ । यी कार्य ठिक ढंगसे हुइल बलगर, दिगो ओ प्रतिस्पर्धात्मक अर्थतन्त्र निर्माण हुइठ । यी लक्ष्य हासिल करना वस्तु वा सेवाके उत्पादन तथा वितरण समेतके कार्य बजार अनुकूल हुइ परठ । वस्तु ओ सेवाके आकार, परिमाण, गुणस्तर, ओसारपसार, लागत वा मूल्यसमेत बाह्य तथा आन्तरिक बजारसँग प्रतिस्पर्धा करना दृष्टिसे सबल हुइ परठ, तब किल प्रतिस्पर्धात्मक अर्थतन्त्र निर्माण हुइठ ।

यी लक्ष्य हासिल करना अन्य बाटके अतिरिक्त उच्च प्रविधिहे अर्थतन्त्रके आधार बनाइ परठ । अब्बे विश्वमे सामान्य प्रविधिके अतिरिक्त कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) के प्रयोग अनिवार्य होसेकल बा । प्रविधि कलेक व्यावहारिक उद्देश्यके लाग कृषि, उद्योग, व्यवसाय, शिक्षा, स्वास्थ्य, निर्माण ओ सुशासनसमेतके क्षेत्रमे दैनिक रूपमे करना जीवनोपयोगी ज्ञानके प्रयोगहे जनाइठ । यिहिनसे मानवके कार्यक्षमतामे विस्तार कामहे हलिसे हलि ओ गुणस्तरीय बनाइठ । लिभर, कलम, छापाखाना, स्टिम इन्जिन आदि समेतके पुरान प्रविधिसे लेके स्मार्टफोन, हवाईजहाज, माइक्रोवेभ, सफ्टवेयर प्रोग्राम, एमआरआई मेसिन आदि तेसर पुस्तासमके सामान्य प्रविधिके श्रेणीमे परना उपकरण हो । कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) भर प्राविधिक क्रान्तिके चौठा पुस्तामे परना उच्चस्तरके प्रणाली हो । यी मनैसे करना कुछ दिमागी कामसमेत करना प्राविधिक विकासके अवस्था हो । एआई वा प्रविधिभित्तरके यी उन्नत प्रणालीसे कुछ अवस्थामे समस्याके समाधान, सोधखोज, अनुसन्धान ओ जवाफ डेना तथा भाषा बुझ्के धारणा ढरनासमेतके मानवसे करल बुद्धिके प्रयोग समेत करठ । जस्टे सामान्य प्रविधिके कारसे निर्धारित प्रोग्रामभित्तरके काम करठ, वरपरके वातावरणके अनुभूति नैकरठ । एआईमे आधारित स्वचालित कारसे वातावरण बुझ्के डगर ओ अवरोध दुनु पहिचान कैके आवश्यक निर्णय लेके गन्तव्यमे जाइठ । एआईसे तथ्यांक संकलन ओ विश्लेषण करना, उहिनसे सिख्ना, कार्यसम्पादनमे सुधार करना, निर्णय लेना वा निर्णय लेना सुझाव डेनासमेतके काम करे सेकठ ।

नेपालमे तेसर पुस्तासमके प्रविधिके प्रयोग फेन सीमित रूपमे किल हुइल बा । कृषि क्षेत्रमे बल्ल जमिन जोत्न, धान गहुँ कट्ना ओ चुट्न वा भ्हरना जैसिन यन्त्रके प्रयोग हुइलेसे फेन उहिनहे व्यापक बनाइ सेकल नैहो । निर्माण ओ उद्योग क्षेत्रमे तुलनात्मक रूपमे आधुनिक प्रविधिके प्रयोग बहलेसे फेन छोट ओ लघुस्तरके प्रतिष्ठानमे प्रयोग करना प्रविधि पुरान बा । टबेमारे आब स्वदेशी कच्चा पदार्थमे आधारित वस्तुके उत्पादनहेसमेत सस्ता, गुणस्तरीय तथा माग अनुरूप बनाइ चाहल दक्षता ओ सिप अनुकूल हुइना मेरिक उच्च प्रविधिके खोजी, पहिचान, प्रयोग ओ विस्तार करेपरना हुइल बा । उदाहरणके लाग प्लास्टिकजन्य वस्तुके आयात ओ उत्पादनके कारणसे विस्थापित हुइलके साविकके निगालो, बेत ओ बाँसके वस्तुके प्रयोगहे पुनर्स्थापित करैना चोया निकालर कम लागतमे गुणस्तरीय वस्तु बनैना आधुनिक प्रविधिमे आधारित औजार बनाके काम करनाहे डेके ओहे अनुसार सिप सिखाइ परठ । काठके ओ खनिजसे वस्तु उत्पादन करनामे फेन यिहे सूत्र लागु हुइठ ।

नेपालसे यी देशके उत्पादनसँग प्रतिस्पर्धा करे परल ओरसे आन्तरिक बजारमे स्थानीय कृषि उत्पादन विस्थापित होके देश आयातमे अत्यधिक निर्भर हुइ पुगल ओरसे कृषि क्षेत्रमे यकर उपयोग अति आवश्यक बा । नेपालसे अर्थतन्त्रहे चलायमान बनैना मेरिक उत्पादन लागत घटैना ओ बजारमे प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता वृद्धि करना मेरिक कार्यक्रमसहित उच्च प्रविधिके प्रयोगके कार्ययोजना आघे सारे परठ । कृषिबाहेक स्वास्थ्य सेवामे दुर्गम क्षेत्रमे गुणस्तरीय चिकित्सा सेवा पुगैना रोगके निदान करना ओ मातृ तथा प्रजनन स्वास्थ्यके बारेमे जानकारी प्रदान करना कार्यमे एआईके प्रयोग करे सेक्जाइ । शिक्षा क्षेत्रमे व्यक्तिगत रूपमे विविध विद्यार्थीके आवश्यकताहे सम्बोधन करना सिकाई कार्यहे सहयोग करना प्लेटफर्मके प्रयोग तथा सिप-आधारित प्रशिक्षण डेना कार्य कराइ सेक्जाइ । सार्वजनिक सेवाओर स्मार्ट ट्राफिक व्यवस्थापनके सञ्चालन करे सेक्जाइ । स्वदेशी कच्चा पदार्थके प्रयोग, अत्यावश्यक ओ निर्यातजन्य वस्तुके उत्पादन एवं बजारीकरणमे उच्च प्रविधिके विस्तार करे सेक्जाइ । उ होके उद्योग व्यवसायके क्षमतामे बढोत्तरी होके अर्थतन्त्र दरिलो ओ प्रतिस्पर्धी बनल बा । अन्यथा पाछेक पाछेक रही ।

प्रतिव्यक्ति ज्याला ओ कुछ क्षेत्रमे रोगारीके संख्या फेन बहल मने सफ्टवेयर निर्माण, तथ्यांक विश्लेषण ओ शिक्षण जैसिन एआईसे काम करे सेक्ना क्षेत्रमे भारी संख्यामे बेरोजगारी बढ्नाओर संकेत करटि आइल दिनमे विकसित ओ न्यून आय हुइल देशके रोजगारीमे क्रमशः ६० ओ २६ प्रतिशतके दरसे प्रभावित करना जनाइल बा, देशगत हिसाबसे प्रभाव फरक-फरक हुइल डेखाइठ ।

नेपालमे हालसम एआईके प्रयोग भर नगण्य ओ छिटपुट रूपमे किल हुइल ओरसे यहोर विशेष ढंगसे सोचेपरना हुइल बा । एआईसमेतके विशिष्ट प्रकृतिके प्रविधिके प्रयोग ओ विस्तार कैके उत्पादन, बजार ओ रोजगारीबिच फेन सन्तुलन मिलाइ परठ । अन्यथा यकर प्रयोगसे उत्पादन ओ उत्पादकत्व बहलेसे फेन कुछके रोजगारी खोसजाइठ । बरु उचित रणनीति ओ कार्यक्रम बनाहे कार्यान्वयन करल ढेर गुणासे थप रोजगारी सिर्जना हुइठ । एक अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिवेदनके अनुसार २०२४ मे संयुक्त राज्य अमेरिकामे एआईके प्रयोगके कारणसे एकओर करिब १२० हजार रोजगारी सिर्जना हुइल ओ औरओर करिब १३ हजारसे रोजगारी गुमाइल दुईमेरिक नतिजा डेखाइठ । सन् २०२५ के कुछ अध्ययनसे भर एआईके विस्तारके कारणसे सफ्टवेयरके विकास, तथ्यांक विश्लेषण ओ ग्राहक सेवा क्षेत्रके २२-२५ वर्ष उमेर समूहके युवासे रोजगारी गुमाइल ओ सन् २०२२ पाछेक तीन वर्षमे सफ्टवेयर क्षेत्रमे २० प्रतिशतसे रोजगारी घटल डेखाइठ ।

सन् २०२५ के एआई ग्लोबल रोजगार ब्यारोमिटर नामक प्रतिवेदनके अनुसार एआईके अत्यधिक प्रयोगसे श्रमके उत्पादकत्व, उत्पादन क्षमता ओ प्रतिव्यक्ति ज्याला ओ कुछ क्षेत्रमे रोगारीके संख्या फेन बहल मने सफ्टवेयर निर्माण, तथ्यांक विश्लेषण ओ शिक्षण जैसिन एआईसे काम करे सेक्ना क्षेत्रमे भारी संख्यामे बेरोजगारी बढ्नाओर संकेत करटि आइल दिनमे विकसित ओ न्यून आय हुइल देशके रोजगारीमे क्रमशः ६० ओ २६ प्रतिशतके दरसे प्रभावित करना जनाइल बा, देशगत हिसाबसे प्रभाव फरक-फरक हुइल डेखाइठ ।

यी पृष्ठभूमिमे नेपालसे तेसर पुस्तासमके प्रविधि ओ एआईहे सँगसँगे आघे बह्रपरना डेखाइठ । मूलतः कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा, यातायात, बैंकिङ ओ तीन तहके सरकारसे डेना सेवासमेतके क्षेत्रमे एआई प्रविधिके विस्तार करे सेक्ना अवस्था बा । अइसिन करलेसे रोजगारी छिनल जनशक्तिके लाग निजी क्षेत्रसँग मिलके वैकल्पिक कामके व्यवस्था करे सेक्जाइ । वैकल्पिक व्यवस्थाभित्रे करटिरहल कामहे आधुनिक तरिकासे करे सेक्ना बनैना क्षमता अभिवृद्धि करना ओ तुलनात्मक रूपमे एआई प्रविधिके प्रयोग कम हुइना क्षेत्रमे उ श्रमशक्तिहे स्थानान्तरणके बाट परठ । अइसिन करलेसे उद्योग-व्यवसाय ओ आयोजनाके विस्तार करना वा थप उद्योग-व्यवसाय वा आयोजना सिर्जना करना कना विषयमे स्पष्ट हुइ परठ । आब हात बाँधके बैठ्ना समय नैहो ।

उच्चतम प्रविधिके विस्तार करेबेर भौगोलिक, क्षेत्रगत एवं विषयगत सन्तुलन फेन मिलैना आवश्यक बा । अन्यथा सहरी क्षेत्रमे हुइल वा भारी संस्था तथा उद्योगसे एआई प्रविधिके समेत प्रयोग करना मने साना तथा ग्रामीण क्षेत्रके संस्थासे प्रविधिके प्रयोग करे नैसेक्ना छोट प्रतिष्ठान टिके नैसेक्ना सम्पत्ति ओ आयके वितरणसमेत असन्तुलित हुइना, नैहुइनाबिचके खाडल बह्रके द्वन्द्व सिर्जनाके जोखिम बह्रे सेकि । तसर्थ योजना, नीति तथा कानुनके निर्माण कैके राज्यसे अइसिन बाटमे विशेष ध्यान डेहे परठ ।

हुइना टे नीति निर्माणके दृष्टिसे हेरलेसे नेपाल एआईसम्बन्धी नीति २०८२ स्वीकृत करनाके साथे सूचना प्रविधिसँग जोरल नेपाल डिजिटल फ्रेमवर्क फेन जारी करल बा । साइबर सुरक्षा, विद्युतीय व्यापार, सूचना प्रविधिके प्रयोगसम्बन्धी कानुन बनसेकल बा । यी सराहनीय कार्य रलेसे फेन उप्परके चुनौती सम्बोधन करलेसे अत्रा नैपुगि । अब्बे कौनो क्षेत्रमे कौनस्तरके प्रविधिके प्रयोग हुइल बा कना विषयके खोजी कैके क्षेत्रगत प्रामिकताके आधारमे प्रविधिके विस्तार करना मेरिक एक बृहत् योजना बनाइ परठ । कृषि क्षेत्रसे जनसंख्याके भारी हिस्साहे रोजगार दिन, खाद्य सुरक्षाके प्रत्याभूति करना तथा स्थानीय स्रोतके उच्च ओ दिगो रूपमे प्रयोग करे सेक्ना हुइना यी क्षेत्र पहिल प्राथमिकतामे परे परठ । यिहिनहे लगैनो, गोड्न, कट्ने, झरना आदिमे किल सीमित नैढैके एआईके प्रयोगसे उत्पादनके सम्भाव्यताके भविष्यवाणी करना, बालीमे लग्ना रोग पहिचान करना, स्मार्ट खेतीप्रणालीमार्फत पानी ओ मलके प्रयोगहे हावापानी एवं उत्पादन अनुकूलन बनैनासमेतके काममे विस्तार करे परठ ।

इजरायल, दक्षिण कोरिया, बेलायत, चीन, भारत ओ संयुक्त राज्य अमेरिका समेतसे कृषिक्षेत्रमे एआईके प्रयोग कैके लागत घटाके उत्पादन ओ उत्पादकत्व बह्रल बा । कृषि स्टार्टअपके स्थापनासे बाली अनुगमन, तथ्य तथ्यांक संकलन एवं विश्लेषण ओ आपूर्ति शृंखला व्यवस्थापनसमके काममे एआईके प्रयोग करटि बा । यिहिनसे अमेरिकामे मेक्सिके समेतसे आइल कृषि मजदुरके रोजगारी गुमल फेन डेखाइठ । ओहोर चीनसे उच्च ज्ञान, सिप ओ प्रविधिके प्रयोग कैके कृषि क्षेत्रहे स्मार्ट फार्मिङके रूपमे विकास करटि बा । साविकमे कोरना, लगैना, बाली, कट्ना, झर्ना, सफा करना, उत्पादित वस्तुके ग्रेडिङ तथा स्टान्डरडाइजेसन करना, ओसारपसार करना ओ भण्डारन करना काममे यन्त्र उपकरण ओ प्रविधिके प्रयोग करना करलमे अब्बे अनुसन्धान करना काममे समेत एआईके प्रयोग करनाके साथे बालीमे औषधी छिट्ना काम ओ कुछ अवस्थामे पानी डरना कामसमेत ड्रोन प्रविधिसे करठ, कृषि क्षेत्रमे ओहे अनुसार चाहना जनशक्ति उत्पादन करना काम सँगसँगे लगल बा । जनसंख्याके संरचनामे ६० वर्षसे ढेर उमेर समूहके मनैन्के अनुपात बह्रना जैना श्रम शक्तिके अभावके सम्भावित जोखिम कम करना फेन चिनसे कृषि ओ अन्य व्यवसायके क्षेत्रमे एआईके प्रयोगमे विस्तार करटि लैगिल हो ।

नेपालसे यी देशके उत्पादनसँग प्रतिस्पर्धा करे परल ओरसे आन्तरिक बजारमे स्थानीय कृषि उत्पादन विस्थापित होके देश आयातमे अत्यधिक निर्भर हुइ पुगल ओरसे कृषि क्षेत्रमे *(बाँकी ३ पेजमे)*

भू-क्षय रोकक् लाग स्याली लडियामे तटबन्ध निर्माण

कञ्चनपुर, १९ पुस । शुक्लाफाँटा नगरपालिका-६, करौलमे भू-क्षय नियन्त्रणके लाग स्याली लडियामे तटबन्ध निर्माणके लाग तीन आयोजना आघे बह्राइल बावै । यी सँगे लडियाके टमान खण्डमे तटबन्ध निर्माण तीव्र रूपमे हुइटी रहल बा ।

शुक्लाफाँटा-६ के वडाध्यक्ष दानसिंह ऐरके अनुसार जनताके तटबन्ध कार्यालयमार्फत ८० लाख लागतमे १५० मिटर, संघीय आयोजनाअन्तर्गत पाँच लाख लागतमे २५ मिटर ओ प्रदेश सरकारके आयोजनाअन्तर्गत १५ लाख लागतमे ५० मिटर तटबन्ध निर्माण हुइटी रहल बा ।

टोटी नालामे १० लाखसे ढेरके लागतमे करिब ४० मिटर तटबन्ध निर्माणके तयारी करल उहाँ जानकारी डेलै । वडाध्यक्ष ऐर वर्षाके बेला तीव्र भू-क्षय हुँइटी आइल क्षेत्रहे पहिल प्राथमिकतामे राखके तटबन्ध निर्माण आघे बह्राइल बटैटी डोसर प्राथमिकतामे सार्वजनिक जग्गा तथा बगर संरक्षण क्षेत्रहे समेटल उल्लेख करलै ।

स्थानीय बन्दा राना स्याली लडिया बर्सेनि वर्षातके बेला जग्गा कटान करेबर बरवार समस्या भोगे परल कहटी आब समस्या समाधान हुइना विश्वास व्यक्त करली । भू-क्षयके समस्या वडा कार्यालयमे राखलपाछे वडाध्यक्षसहित जनप्रतिनिधिके पहलमे तटबन्ध निर्माण हुइ लागल उहाँके कहाइ रहल बा ।

स्याली लडियामे निर्माण हुइटी रहल तटबन्ध आयोजनासे सार्वजनिक सडक बच्नाके साथे दुई सयसे ढेर स्थानीयके जग्गा भूक्षयसे सुरक्षित हुइना अपेक्षा करल बा ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १४ स्थित कित्ता नं. ८३५ क्षेत्रफल २४१.२६ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री शान्ति सार्कीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सोनी विक — पश्चिमः आशादे मल्ल
उत्तरः सोनी विक — दक्षिणः हुलाकी सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १८ स्थित कित्ता नं. १२७ क्षेत्रफल १७८० वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री लोकनाथ रिजालले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सडक — पश्चिमः भोजराज अधिकारी
उत्तरः पदम अधिकारी — दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

विस्थापितके पीडा : जुरारमे पालटर बास

कञ्चनपुर, १९ पुस । मध्य पुसके लुगलुगैना जुरार । पालटरके बास । शीतसे बिस्तरा पूरै भिजठ् । कबुकाल टे शरीरमे लगाइल लुग्गा समेत भिजल रहठ् । महेन्द्रनगरस्थित डिभिजन वन कार्यालयआघे जडीबुटी कार्यालयके खाली जमिनमे तत्कालीन शुक्लाफाँटा वन्यजन्तु आरक्ष विस्तारके क्रममे विस्थापित हुइल ओरसे अस्टे अवस्थामे अब्बे रात गुजरटी रहल बावै ।

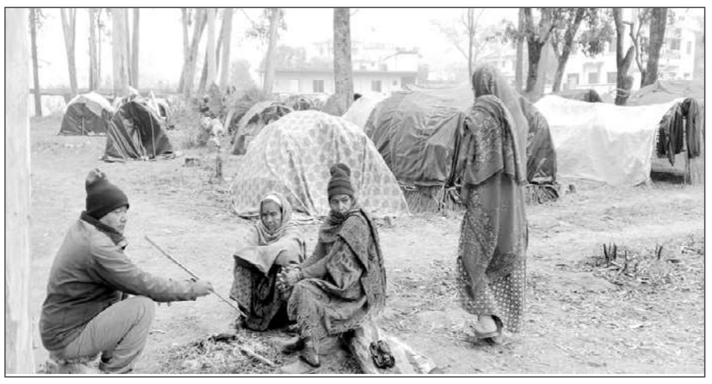

खाली जमिनभर पाल टाँगके टहरा बनाइल बावै । कतिपय टहरा खाली बावै कलेसे कतिपयमे बसोबास करटी रहल बटै । दिनके समेत शीत लहरके कारण बाहर निक्रे नैसेकजैना अवस्थामे उहाँहुक्रे पाल किनारमे आगी बारके बैट्ठै ।

'अढाइ महिना हुइल यहाँ बैठे लागल, जुरार बह्रटी गैलपाछे यहाँके बसाइ कष्टकर बनल बा,' साबिकके रौतेलीबिचवा गाविससे २०५८ मे विस्थपित हुइल कृष्णप्रसाद भट्ट कहलै, 'रात अकली सुटेबर जुरार हुइना हुइल ओरसे चाररपाँच जाने नैअटाके फेन सुट्ठी ।' ओहकान अनुसार पालटर बैठेबर जुरारके कारण कुछ विस्थापित बिरामी होके आफन्तके घरमे शरण लेहे पुगल बटै । 'रातके जुरारसे सुटे नैसेकजाइठ्, एकओर भुँइया जुर, उप्परसे शीतसे बहुट कर्रा हुइठ्,' रौतेलीबिचवासे विस्थपित हुइल कुन्तादेवी शाह कहली, 'वृद्धवृद्धाहे यहाँ बैठ्ना बहुट समस्या हुइल बा ।' जुरार हुइलेसे फेन पुनर्स्थापनाके मागसहित आन्दोलनस्वरूप विस्थापितहुक्रे यहाँ टहरा बनाके बसोबास करटी रहल बटै । उहाँहुक्रे अढाइ महिनासे पाल टाँगके बैठ्ना सुरु करल हुइट । सुरुमे कुछ परिवार किल आइलपाछे अब्बे भर यहाँ अढाइ सय ढेर परिवार पाल टाँगल बटै ।

'घरी घरी आन्दोलन, घरी घरी आयोग किल बनल, मने हमार पीडा जसके टस बावै,' ६० वर्षीय कपुरे ओखेडा कहलै, 'हमार पुस्ता टे आन्दोलनमे जैना किल हुइल, छावा–नटियाके दिन फेन अस्टेमे बिटल ।' उहाँ फेन रौतेलीबिचवासे २०५८ मे विस्थापित हुइल हुइट । ओहकान आधा बिघा जमिन तत्कालीन आरक्ष विस्तारके क्रममे अधिग्रहण हुइल रहे । विस्थापित परिवार अब्बे टमान १४ शिविरमे बसोबास कैटी आइल बटै । निकुञ्जके कोर एरियामे पर्ना ढाक्का, तारापुर, भत्पुरी लल्लरे डाँडालगायतके स्थानमे विस्थापित बसोबास करटी रहल बटै । उहे शिविरसे आइलहुक्रे अब्बे जडीबुटी कार्यालयके बाँझ जमिनमे टहरा बनाके बैठल हुइट ।

२०३३ मे तत्कालीन शाही शिकार आरक्षहे शुक्लाफाँटा वन्यजन्तु आरक्ष घोषणा करलपाछे पूर्वी क्षेत्र विस्तार करल हो । २०५८ सम निकुञ्जके विस्तारित क्षेत्रसे बस्ती खाली करल हो । २०३३ से सुरु हुइल विस्थापितके समस्या आभिन समाधान हुइ सेकल नैहो । १ सय ५० वर्गकिलोमिटर क्षेत्रफल रहल आरक्षके पूर्वी क्षेत्र विस्तार कैके ३ सय ५ वर्गकिलोमिटर बनाइल हो । २०७३ मे शुक्लाफाँटाहे आरक्षसे निकुञ्जमे स्तरोन्नति करल हो । तत्कालीन आरक्ष विस्तारके क्रममे विस्थापित हुइलहुक्रनके पुनर्स्थापनाके लाग २०३७ से आयोग तथा समिति गठन हुइ लागल हो । हालसम ३२ ठो आयोग गठन होसकल बावै । तीन महिनासे एक बरससम समयावधि डेके गठन हुइना आयोग तथा समिति विस्थापितके यकिन संख्या आभिन पहिचान करे सेकल नैहो ।

हालै पुनरावेदन अदालतके पूर्वन्यायाधीश जयानन्द पनेरुके संयोजकत्वमे गठित ३२ औं आयोगसे विस्थापितके संख्या २ हजार २७ डेखल बा । उहीसे आघे २०७१ मे पुनरावेदन अदालतके पूर्वन्यायाधीश ठाकुरप्रसाद शर्माके आयोगसे विस्थापितके संख्या १ हजार ४ सय ८० रहल ओ ओइनहे नै पुनर्स्थापना करे पर्ना प्रतिवेदन बुझाइल रहे । उहीसे आघेक आयोगसे विस्थापितके संख्या २ हजार ४ सय ७३ रहल बटाइल रहे ।

पनेरु नेतृत्वके आयोगसे गत बरस पुसमे सरकारहे प्रतिवेदन बुझाइल रहे । उक्त प्रतिवेदन मान्य नैहुइना विस्थपितसे बनैटी आइल बटै । पनेरु नेतृत्वके आयोगसे निकुञ्ज तथा वन क्षेत्रमे बसोबास करटी रहलहे प्रतिपरिवार राहतस्वरूप १० लाख डेना ओ तत्काल वन क्षेत्रसे हटाइ पर्ना प्रतिवेदनमे उल्लेख करल बा । ओस्टके वन क्षेत्रबाहर रहल परिवारहे ७ लाख ओ लालपुर्जा पाइल मने जमिनके उपभोग करे नैपाइल परिवारहे ५ लाख डेना सुझाव डेहल बा । जमिनके भोगचलन करे नैपाइल कहटी ११ जाने निवेदन डेहल ओ कुछ निवेदन डेना बाँकी रहल प्रतिवेदनमे उल्लेख रहल बा ।

हालसम गठन हुइल टमान आयोग तथा कार्यदलसे ५ हजार २ सय परिवारहे जिल्लाके टमान स्थानमे ४ हजार ४२ बिघासे ढेर जमिन वितरण करसेकल बावै । उहाँहुक्रनहे भीमदत्त नगरपालिका–१९ के बाग्फाँटा, १३ के पिपरैया, बेलडाँडीके ढाक्का, रामपुर विलासीपुरके लक्ष्मीपुर, शुक्लाफाँटा नगरपालिकाके सिमलफाँटा ओ बेदकोटके सुन्दरपुरमे जमिन डेके पुनर्स्थापना करल बा ।

मुर्गी फर्ममे आगलागी

कञ्चनपुर, १९ पुस । कञ्चनपुरमे मुर्गी (कुखुरा) फर्ममे आगलागी होके ११ लाख बराबरके क्षति पुगल बा । दोधारा चाँदनी नगरपालिका–६ के स्थानीय व्यवसायी रमेश औजीके लक्ष्मी पशुपक्षी फर्मके दुई फर्ममे शुकके रात करिब १ बजे आगलागी हुइल हो ।

आगलागीसे फर्म पूर्णरूपमे जरके नष्ट हुइल बा, कलेसे खोरभिट्टर पालल् एक हजार एक सय चिंग्नी, २० कट्टा चारो लगायत खोरभिट्टर रहल सम्पूर्ण सामग्री जरके नष्ट हुइल व्यवसायी औजी बटैलै ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक सागर बोहराके अनुसार, गैल रात १ बजे विद्युतके तार सर्ट होके आगी लागल जनाइल बा । आगलागीपाछे स्थानीय, नेपाल प्रहरी तथा दमकलके सहयोगमे सकारे करिब ४:३० बजे आगी नियन्त्रणमे लेहल प्रनाउ बोहरा बटैलै ।

प्रहरीके अनुसार, मुर्गीनहे हेरचाहके लाग खोरमे सुटल राहुल औजी भर भग्ना सफल हुइल रहिट । औजी सुटल अवस्थामे उप्परसे कु गिरलपाछे आगी लागल पटा पाके भागकके ज्यान बचाइल बटैलै ।

प्रारम्भिक अनुमान अनुसार आगलागीसे करिब ११ लाख रुपियाँ बराबरके क्षति पुगल प्रहरी जनैले बा । आगलागीके विषयमे थप अनुसन्धान हुइटी रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुर जनैले बा ।

DAILO TRAVELS PVT. LTD.
DHANGADHI, KAILALI
नयाँ गाडी दर्ताको लागि इन्ट्री खोलिएको सम्बन्धी सूचना
प्रस्तुत विषयमा हाम्रो यस दैलो ट्राभल्स प्रालिमा बेलौरी, धनगढीदेखि विभिन्न स्थानसम्म चल्नको लागि तपसिल बमोजिमको नयाँ गाडी दर्ता गर्नका लागि इन्ट्रि खोलिएको व्यहोरा सबैमा जानकारी गराइन्छ ।
तपसिल
गाडीको नाम : SRM 11 seater
Range : Minimum 220 km in full charge
माग गाडी संख्या : १५ वटा (Only New)
Contact : 9764417596, 9805612419,9800656404,9811694801

निर्माणके पर्खाइमे...

डिपिआर ओ इआइएमे ६० लाख रुपैयाँ खर्च हुइल समिति जनैले बा । डिपिआरअनुसार ५० हजार दर्शक अट्ना क्षमताके क्रिकेट रंगशाला, फुटबल मैदान, म्युजियम, आवास, होटेल, अस्पताललगायत अन्य व्यावसायिक संरचना निर्माण हुइना बावै । निर्माणके लागत २६ अर्ब अनुमान करल बा । ०६९ मे अन्तरकलेज एसपिए कप क्रिकेट फाप्ला मैदानमे हुइलपाछे यकर चर्चा सुरु हुइल रहे । निजी क्षेत्रसे करल एसपिए कपहे परिमार्जन कैटी करिब आठ बरस आघे फ्रेन्चाइज मोडेलमे उ बेला देशके सर्वाधिक पुरस्कार राशीके धनगढी प्रिमियर लिग (डिपिएल) सुरु हुइलपाछे फाप्ला मैदानके चर्चा देशव्यापी बनल ।

०७३ मे हुइल डिपीएलमे देशके टमान सहरके नाउँमे बनाइल टीममे राष्ट्रियसँगे विदेशी खेलाडीसमेत सहभागी होके खेलेबर अब्बे त्रिवि रंगशालाके जैसिन रौनक हुइट फाप्लामे । जिल्ला, क्षेत्रीय ओ राष्ट्रिय स्तरके प्रतियोगिता हुइना फाप्लामे रंगशाला निर्माणके लाग निजी क्षेत्रसे 'ड्रिम फाप्ला'के नाउँमे दवावमूलक अभियान नै सुरु हुइल । फाप्लामे क्रिकेट रंगशाला निर्माणके आवाज जोडदार बन्टी गैलपाछे सुदूरपश्चिमके पहिल सरकारसे कुछ बरस बजेट फेन विनियोजन करल । मने संघ सरकारसे जग्गासे प्राप्ति नैहोके प्रदेशसे छुट्याइना बजेट कार्यान्वयन हुइ नैसेकल ।

खेलाडी अनुज सिहं डिपिआर बन्ना उपलब्धि रलेसे फेन उ अनुसार पूर्वाधार निर्माण हुइनामे विश्वास नैहरल बटैलै । राज्यसे अब्बे २६ अर्ब खर्च कैना अवस्था नैरहल ओरसे क्रिकेट रंगशाला निर्माण कार्य फेन ओझेलमे परठ् कना लागल उहाँ बटैलै । 'दुई–चार बरसमे अटरा ढेर बजेट राज्यसे खर्च करे सेक्ना कि नैसेक्ना अन्योल बा,' उहाँ कहलै, 'ओहेमारे खेलग्रामके सक्कु पूर्वाधार अक्केचो बनैनासे अब्बे रंगशाला निर्माणहे किल आघे बह्राइ परल ।'

पूर्वाधार निर्माण विकास समितिके अध्यक्ष शाही पहिल चरणमे तीन बरस भिटरे २५ हजार दर्शक अट्ना क्षमताके रंगशाला निर्माणके प्रस्ताव करल ओ ओम्ने ११ अर्ब लगानी लग्ना बटैलै । 'सक्कु प्रक्रिया पूरा होके यी परियोजना योजना आयोगके प्रोजेक्ट बैंकमे डर्ना डगरा खुलल् । रुख्वा कटान ओ स्रोत सुनिश्चितता हुइलपाछे कार्यान्वयनमे आघे बह्री,' शाही कहलै । डिपिआरअनुसार पूर्वाधार निर्माण कैना दुई हजार ६ सय रुख्वा काटे पर्ना उहाँ बटैलै ।

प्रतिस्पर्धात्मक...

यकर उपयोग अति आवश्यक बा । नेपालसे अर्थतन्त्रहे चलायमान बनैना मेरिक उत्पादन लागत घटैना ओ बजारमे प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता वृद्धि करना मेरिक कार्यक्रमसहित उच्च प्रविधिके प्रयोगके कार्ययोजना आघे सारे परठ । कृषिबाहेक स्वास्थ्य सेवामे दुर्गम क्षेत्रमे गुणस्तरीय चिकित्सा सेवा पुगैना रोगके निदान करना ओ मातृ तथा प्रजनन स्वास्थ्यके बारेमे जानकारी प्रदान करना कार्यमे एआईके प्रयोग करे सेक्जाइ । शिक्षा क्षेत्रमे व्यक्तिगत रूपमे विविध विद्यार्थीके आवश्यकताहे सम्बोधन करना सिकाई कार्यहे सहयोग करना प्लेटफर्मके प्रयोग तथा सिप–आधारित प्रशिक्षण डेना कार्य कराइ सेक्जाइ । सार्वजनिक सेवाओर स्मार्ट ट्राफिक व्यवस्थापनके सञ्चालन करे सेक्जाइ । स्वदेशी कच्चा पदार्थके प्रयोग, अत्यावश्यक ओ निर्यातजन्य वस्तुके उत्पादन एवं बजारीकरणमे उच्च प्रविधिके विस्तार करे सेक्जाइ । उ होके उद्योग व्यवसायके क्षमतामे बढोत्तरी होके अर्थतन्त्र दरिलो ओ प्रतिस्पर्धी बनल बा । अन्यथा पाछेक पाछेक रही ।

साभार : गोरखापत्र दैनिकसे

संस्थासे ५८ लाख...

संस्थाके शेयर रकम ४ करोड ६३ लाख ३४ हजार ३ सय रहल बा । कलेसे शेयर सदस्य संख्या ५ हजार ७५ जाने रहल अध्यक्ष भण्डारी बटैलै ।

संस्थासे यी अवधिमे सुत्केरी पोषण बाफत १६ महिलाहे राहत उपलब्ध, दिवंगत शेयर सदस्य २२ जनहनहे किया खर्च प्रदान, अत्तरिया शाखामे ५६ जाने, वढैपुरमे १७ जाने, हसुलियामे ६४ जाने, धनगढीमे १४२ जाने करकृ जम्मा १६९ शेयर सदस्यहुकनहे सहकारी आधारभुत शिक्षा तालिम प्रदान करल बा ।

ओस्टेक करके बढैपुर ओ अत्तरिया शाखामे तिज महोत्सव, संस्थांके स्थापना दिवस पौष २३ गते आमाको माया छात्रावासहे खाद्यन्न सामाग्री उपलब्ध, जेन्जी आन्दोलनके क्रममे आगलागीसे नष्ट हुइल जिल्ला मालपोत कार्यालय कैलालीके भवनमे बिद्युत तथा ईन्टरनेट जडान कैना आर्थिक सहयोग करले बा ।

ओस्टेक करके उहे घटनामे जिल्ला अदालतहे मनिटर उपलब्ध, राधाकृष्ण मन्दिर धनगढीहे धर्मशाला निर्माण कैना सहयोग करल, सस्थांके निति, नियम निर्माण सम्बन्धी बृहत छलफल कैना कैलालीके फल्दुडेमे आवासीय अन्तरर्किया आयोजना करले बा । संस्थासे कर्जा विभागके कर्मचारी ओ शाखा प्रवन्धकहुकनहे कर्जा व्यवस्थापन तालिम ओ अन्य कर्मचारीहे क्षमता अभिवृद्धि तालिम करल, २० जाने जेष्ठ नागरीकहे लौरो विवतरण करल, जेष्ठ नागरीक सम्मान, उत्कृष्त बचत, उत्कृष्ट सम्मान यथावत चालु करल, उत्कृष्ट कर्मचारी ओ सहकारी क्षेत्रमे सकारात्मक योगदान कैना पत्रकारहे पुरस्कृत कैना कार्यहे निरन्तर डेहल बा । बार्षिक साधारण सभा कार्यक्रममे स्वागत मन्तव्य संस्थाके उपाध्यक्ष रोशन सिंह ओ संचालन सचिव विमल जोशी करल रहिट । कार्यक्रममे संस्थाके संस्थापक सदस्य, शेयर सदस्य, कार्यसमितिके पदाधिकारीलगायतके सहभागिता रहे ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !
हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन
धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न
निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.
Advanced Healthcare for all...

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू
जनरल फिजिसियन (पेट,छाती,मुटु) रोग विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
रेडियोलोजी विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
न्युरो, मस्तिष्क, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
हाडजोर्नी तथा स्पोर्टस फिजियोथेरापिष्ट — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
हाडजोर्नी तथा नशारोग विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन — भेटने समय: बिहान ८:३०-९:३० र बेलुकी ४-५ बजेसम्म
स्त्री तथा प्रसुति रोग विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ११-२ र बेलुकी ४-६ बजेसम्म
नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
मुख, अनुहार तथा बङ्गारा विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
मुटु रोग विशेषज्ञ — भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म
DONATE SAVE LIFE | 24 HRS PATHOLOGY LAB | २४सै घण्टा आकस्मिक सेवा | सिटी स्क्यान सेवा | फिजियोथेरापी सेवा
Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com /nisargahospitalnepal

जलपंक्षी गणना सुरु

कञ्चनपुर, १९ पुस । सिमसार क्षेत्रमे आश्रित रैथाने तथा आगन्तुक जल पंक्षीन्के अवस्था ओ संख्या अभिलेख कैना उद्देश्यसे कञ्चनपुरमे शनिच्चरसे जलपंक्षी गणना सुरु करल बा ।

नेपाल पंक्षी संरक्षण संघ (बिसिएन) के समन्वय तथा शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके अगुवाइमे शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जभिट्टर रहल जलाशय, तालतलैया, सिमसार क्षेत्र तथा निकुञ्ज बाहरके लडिया, टल्वा ओ सिमसार क्षेत्रमे जलपंक्षी गणनाके लाग गणक परिचालन करल जनाइल बा ।

गणनामे बिसिएन, शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज, राष्ट्रिय प्रकृति संरक्षण कोष, नेपाल पक्षीविद् संघ, कनेक्ट परियोजना, जेडएसएल, निकुञ्ज मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन समिति, हिमालय नेचर, नेचर गाइड एशोसिएसन तथा कञ्चनपुर पक्षी संरक्षण समूहके प्रतिनिधि संलग्न रहल बटै ।

नेपाल पंक्षी संरक्षण संघके वरिष्ठ चरा विज्ञ हिरुलाल डंगौराके अनुसार वाइनाकुलर, दूरबिन, क्यामेरा, जिपिएसलगायतके उपकरणके प्रयोग कैके २० से ढेर गणकमार्फत जलपंक्षी गणना हुइटी रहल बा । नेंगके पुगे नैसेक्ना ताल तलैया क्षेत्रमे हाठीनके प्रयोग कैके गणना करजैना बा ।

उहाँके अनुसार निकुञ्जभिट्टर जलपक्षीनके लाग प्रसिद्ध शिकारी ताल, बाबा ताल, तारा ताल, रानी ताल, चौधर नदी–बढनी ताल, राधापुर सिमसार, झिलमिला तथा रतनपुर सिमसारमे गणना हुइटी रहल बा । ओस्टके निकुञ्ज बाह्य क्षेत्रमे महाकाली लडिया, पुरैनी ताल, बन्दा माललगायत सिमसार क्षेत्रमे फेन गणना करजैना बा ।

गणनाके क्रममे जलपंक्षीके प्रजाति, संख्या, सम्भावित खतरा, मानव गतिविधि ओ बासस्थानसँग सम्बन्धित समस्याके विवरण सक्तलन करजैना बा ।

जलपक्षी गणना प्रत्येक बरस जस्टे यी बरस फेन जनवरीके पहिल शनिच्चरसे करजैटी रहल बा । यी बरस पुस १९ से माघ ४ गतेसम सञ्चालन हुइना बा । चराविज्ञ डगौराके अनुसार कञ्चनपुरके सिमसार क्षेत्र जलपक्षीके लाग महत्त्वपूर्ण रहलेसे फेन पाछेक समय टमान चुनौती डेख परे लागल बावै । सिमसार क्षेत्र अतिक्रमण, अवैज्ञानिक रूपमे माछापालन, नदीजन्य पदार्थके दोहन, मानवीय गतिविधि, प्रदूषण तथा जलवायु परिवर्तनके असरसे जलपक्षीके बासस्थान खुम्चटी गैल उहाँके कहाइ रहल बा ।

“कुछ बरस यहोर कञ्चनपुरके सिमसार क्षेत्रमे जलपक्षीके संख्या घट्दो क्रममे डेख परे लागल बा”, उहाँ कहलै, “विशेष कैके आगन्तुक जलपक्षीके आगमनमे उतारचढाव डेखल बा, जेकर प्रमुख कारण बासस्थानके असुरक्षा रहल बा ।” पहिले अक्के टल्वामे ७० ढेर प्रजाति जलपक्षी डेखजैना करलमे हाल उ संख्या आधासे घटटल उहाँ उल्लेख करलै ।

“जलपंक्षी बचाइक लाग ताल तलैया ओ सीमसार क्षेत्रमे पाछेक अवस्थामे हुइटी रहल अतिक्रमण हटाइ पर्ना डेखजाइठ्”, उहाँ कहलै । चरा विज्ञ डगौराके अनुसार नेपाल सेन्ट्रल एसियन फ्लाइवे अन्तर्गत पर्ना महत्वपूर्ण देश रहल ओरसे एसिया, युरोप तथा साइबेरियासे अइना प्रवासी जलपक्षी नेपालके सिमसार क्षेत्रमे आश्रित रहठै । जलपक्षी गणनासे राष्ट्रिय, क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रियस्तरमे संरक्षण रणनीति तय कैना महत्वपूर्ण आधार प्रदान कैना विश्वास लेहल उहाँके कहाइ रहल बा ।

जंगली जनावरसे बचाइक लाग बेम्टी खेती

डडेल्धुरा, १९ पुस । जंगली जनावर बँदेल ओ बाँदर अन्नबाली सखाप पारके हैरान हुइल किसानहे बेम्टी खेती वरदान हुइना सम्भावना डेखल बा ।

पाछेक बरसमे व्यावसायिक रूपमे बेम्टी खेतीओर किसानके आकर्षण बह्रटी गैल कृषि ज्ञान केन्द्र डडेल्धुरा जनैले बा । डडेल्धुरामे उत्पादित बेम्टी सुदूरपश्चिमके पहाडी जिल्लासँगे तराईके जिल्ला कैलाली, कञ्चनपुरमे निर्यात करेबर किसान मनग्गे आम्दानी कैना सफल हुइल बटै ।

जिल्ला समन्वय समितिके प्रमुख गगनसिंह भण्डारी अपने बेच्टी खेतीबारे बुझल बटैटी जंगली जनावरसे सटाइल किसानके लाग बेम्टी खेती मजा सम्भावना रहल उल्लेख करलै । कम जमिनमे टनेल निर्माण कैके मजा उत्पादनसँगे मनग्गे आम्दानी करे सेकजैना हुइल ओरसे जंगली जनावरके हैरानीसे समेत किसान मुक्ति पैना उहाँके कहाइ बा । हाल नेपालके ७० जिल्लामे बेम्टी व्यावसायिक खेती कैटी आइल ओ वार्षिक १४ हजार मेट्रिक टन उत्पादन हुइना करल तथ्यांक रहल उहाँ बटैलै ।

कुछ बरस यहोर डडेलधुराके ११ किसान बेम्टीके व्यावसायिक उत्पादन कैटी आइल कृषि ज्ञान केन्द्र प्रमुख नरेन्द्र पनेरू जानकारी डेलै । उहाँके अनुसार डडेलधुरामे वार्षिक छ हजार सात सय किलोग्राम बेम्टी उत्पादन हुइना करल बा । बजारके समस्या नैहुइना हुइल ओरसे बेम्टी खेती ओर किसानके आकर्षण बह्रटी गैल उहाँ बटैलै । प्रतिकेजी चार सय रुपियाँसम किसान पैना हुइल ओरसे आम्दानीके मजा स्रोत बेम्टी बन्टी गैल उहाँके कहाइ रहल बा ।

हाल डडेल्धुरामे ढेर मात्रामे कन्ये प्रजाति ओ कुछ मात्रामे सिताके प्रजातिके च्याउ उत्पादन हुइटी रहल उहाँ जानकारी डेलै ।

कटानके उच्च जोखिममे बस्ती

बाजुरा, १९ पुस । बाजुराके बडीमालिका नगरपालिका–६ मे रहल बिरेखोला बस्ती बुढीगंगाखोलुवा कटानके जोखिममे परटी आइल बा । २०७७ सावन २८ गते बुढीगंगाखोलुवामे आइल बारह्से बस्ती कटान कैटी आइलपाछे बिरेखोला बस्ती कटानके जोखिममे रहटी आइल हो ।

यहाँ ४० घरपरिवार विगत लम्मा समयसे बसोवास कैटी आइल बटै । पहिले यी खोलुवा कुछ कटान नैकरल ओ अब्बे कटान कैटी आइल ओरसे यहाँके उ घरपरिवार बर्खाके समय चिन्तित बन्ना करल बटै । यहाँके ४० घरपरिवार खड्का ओ साउदके बसोवास बा । उ मध्ये अने साउद, लालसिग साउद, विक्रम साउद, दाने साउद, लालबहादुर खड्का, प्रभते खड्का ओ बिर्ख खड्काके परिवार उच्च जोखिममे रहल बा ।

पहिले यी खोलुवा कटान नैकरे । २०७७ मे यी खोलुवामे आइल बारह्से वारपार कटान करलसँगे अब्बे यी बस्ती खोलुवा कटानके जोखिममे परटी आइल लालबहादुर खड्का बटैलै । यी बस्ती बचाइक लाग १० लाखके ग्याबिन राखगैल रहे मने २०७७ मे आइल बारह्से उ ग्याबिन पुहाडेहलपाछे अब्बे उ पूरै बस्ती जोखिममे परल बडीमालिका नगरपालिका–६ के वडाध्यक्ष कृष्णबहादुर खड्का बटैलै ।

चिसो मौसममा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं।

जाडो तथा चिसोको समयमा:

- मौसमी रुघाखोकी, भाईरल ज्वरो, छातीको समस्या, दम, निमोनिया, झाडापखला, छाला सुख्खा हुने, जोर्नी दुखाई, पिनास, टन्सिल, हृदयघात लगायतका स्वास्थ्य समस्या देखा पर्न सक्छन् ।
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा तथा दीर्घरोगीहरू बढी प्रभावित हुन सक्छन् ।
- चिसो मौसममा बाक्लो र न्यानो कपडा लगाऔं ।
- तातो, पोषिलो र झोलिलो खानेकुरा खाऔं र खुवाऔं ।
- शारीरिक व्यायाम गरौं, धुम्रपान/मद्यपान नगरौं ।
- घर तथा कोठा न्यानो बनाऔं ।
- नियमित घाम ताप्ने गरौं ।

स्वास्थ्यमा समस्या देखिए चिकित्सकको परामर्श लिऔं ।

गौरीगंगा नगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
चौमाला, कैलाली